

श्रीय नमः॥
कृमान्ननाका

वैगङ्गयनाका

आचार्य कृष्णदास
२५३५

ASNA ARCHIVES

ॐ नमः श्री ३ नाठ भवाय ॥ येसात्र ॥ ॥ का री ॥ पु ॥ दामिनी
प्रियाचला श्रूयतात्र गह उखान कत्रिवा सला नयरा ला
रुह ॥ मयू १० ॥ ॥ पु ॥ ह दामि न्या दिला क श्रूयतात्र गह
जायिवाचला ॥ दि ॥ ला कचला ॥ हला कमदित्र श्रूयि
पद्रुचि ला मविश्रम कत्रिया थाकि वा ॥ विश्रम ॥ ॥ ॥
सूबुद्धि श्रूमात्रेव ठा गह (गपी च लुत्रा श्रूचु गात्र सहि
यूद्ध कत्रिवा सिपायी कलदा किन प ० ३ ॥ ॥ ह दामि न
सु
इद्वर्तिला ला कत्रिला

ति ५
श्रूमात्रदि (गत्र गपी च लुत्रा स गयूद्ध कत्रिवा गिया उमी च था
यथा का ॥ ॥ हला क (गपी च लुत्रा स गयूद्ध कत्रिवा चला ॥ ॥
निस्सात्र ॥ ॥ श्रूयनी ॥ वा ॥ वंगरूपे निसेन समत्र नात्र ॥ ॥
मनभात्रहे ला किंवा श्रूज जायिवा सूरु टले या कत्रिया सा रु ॥ म
पू १ ॥ ॥ पु ॥ हला क (गपी च लुत्रा स गयूद्ध कत्रिवा चला ॥ दि ॥
ला कचला ॥ ॥ लू ४ ॥ ॥ उपमा क ॥ ॥ दवर्द ॥ ॥ पु ॥ हला क न
लरु मिजायिवाचला ॥ दि ॥ ला कचला ॥ ॥ त्रत्रियुगल कथा
यराय विश्रुत श्रूमात्र हप्रपत्री ॥ ॥ त्रद्वृकहा ॥ हसिया

श्रीलोकेश्वरमन्त्रायुद्धकविवाउमत्रादस्त्रियाधका॥ ॥ प्रपद
 खनखनभात्रपावलीवाश्रमात्रवचनसूत्र॥ ॥ युद्ध॥ युद्ध॥
 कामसननात्रजावखनपत्रावश्रमात्रेसमत्रुयिह
 यिविरुत्राव॥ मयू२॥ हलाककामसनपलायियाग
 ला॥ ॥ यात्ररुजात्रलुटिवाचला॥ ॥ परिधि॥ लु॥ ॥
 परिधि॥ हसुवद्विद्वेषखनकालकविष्णमकविवा॥ विष्णम॥ ॥ प्रकामस
 नादिलोककनश्रुकात्रकविलीश्रमात्रवचनसूत्र॥ ॥ युद्ध॥ ॥ यदुत्रिया॥ थ॥

ख ४

गुमाननाकत्राउमिसहायनहानजायिवियमनद्यत्रउयायनतात्रामयू३॥ ॥ प्र
 कामसनादिलोकतयीकथयजायवी॥ ॥ मुखलाककहा॥ ॥ कामसनोश्रुकिश्रु
 द्वा॥ नागतालडी॥ मयू३॥ ॥ चक्षुवकावखा॥ ॥ हसुनोकाटवानश्रुयानसहिभयूद्ध
 कविनयाविधानाश्वउनसहिभमिगसंराषलकनियानलमालादिवो॥ ॥ हंउया
 उश्रुजहभउमानमिगहलाशीनलमालालवश्रुलिगनकविवा॥ ॥ श्रुलिगना
 यायनलमालाविय॥ ॥ मिगनमनीकविवा॥ ॥ अनिलऊकामसनखनस
 चक्षुकविवाश्रमात्रवचनसूत्र॥ ॥ युद्ध॥ ॥ धनली॥ या॥ कामतिमनूजभात्रकविवा
 विनागखनयथायिवासमननिवास्॥ मयू३॥ ॥ हसुनोकाटवावखत्वादियला
 यागलाश्रुग४यनमदित्रजायिवाचला॥ ॥ दवर्षि॥ ॥ य॥ हसुनोकाटवानश्रु

यनामदिप्रजायिवाचला ॥ ॥ द्वि ॥ मन्कीकाठवानचला ॥ ॥ यसाना ॥ ॥ ॥
 ॥ निजयूत्रिसचिवहचलाजायिवाह ॥ शरवानकविवाजीनिविलासहायधमनय
 नका ॥ ॥ भयू ॥ ॥ या ॥ ह मन्कीकाठवान ॥ आयनानगुरुजायिवाचला ॥ ॥ द्वि ॥ मन्की
 काठयालचला ॥ ॥ हदामिनी ॥ ॥ दामिनी ॥ अ ॥ विप्रम ॥ ॥ हदामिनीय
 धमकामसनजीतिलाम ॥ या ॥ सुख ॥ सह ॥ यलीया ॥ अ ॥ ला ॥ ख ॥ व ॥ व ॥ य ॥ व ॥ क ॥ म
 दखिया ॥ मि ॥ स ॥ रा ॥ य ॥ क ॥ वि ॥ या ॥ अ ॥ म ॥ ॥ ॥ ह ॥ ला ॥ के ॥ अ ॥ ल ॥ य ॥ न ॥ क ॥ ग ॥ नि ॥ या ॥ न ॥ दि ॥ वा
 ॥ य ॥ नि ॥ यी ॥ ल ॥ १३ ॥ ॥ ॥ नि ॥ र ॥ ती ॥ या ॥ इ ॥ ॥ ॥ य ॥ नि ॥ द ॥ ॥ अ ॥ ह ॥ स ॥ क ॥ ल ॥ ल ॥ क ॥ क ॥ ल ॥ उ ॥ क ॥
 वि ॥ प्र ॥ म ॥ क ॥ वि ॥ वा ॥ वि ॥ प्र ॥ म ॥ ॥ ॥ नि ॥ क ॥ र ॥ ध ॥ इ ॥ ॥ ॥ अ ॥ ल ॥ क ॥ ल ॥ इ ॥ ॥ ॥ ह ॥ स ॥ क ॥ ल ॥
 ल ॥ क ॥ क ॥ ल ॥ उ ॥ क ॥ वि ॥ प्र ॥ म ॥ क ॥ वि ॥ वा ॥ वि ॥ प्र ॥ म ॥ ॥ ॥ ह ॥ स ॥ ल ॥ ल ॥ क ॥ अ ॥ न ॥ र ॥ व ॥ न ॥ ज ॥ य ॥ य ॥
 नि ॥ स ॥ म ॥ न ॥ ॥ ॥ व ॥ स ॥ न ॥ ॥ च ॥ ॥ ग ॥ ज ॥ व ॥ न ॥ ग ॥ मि ॥ ति ॥ य ॥ ला ॥ ह ॥ ग ॥ हा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ उ ॥ म ॥ न ॥

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

चला ॥ ॥ तीर्ययी ॥ ॥ य ॥ ह ॥ स ॥ क ॥ ल ॥ ल ॥ क ॥ अ ॥ न ॥ र ॥ व ॥ न ॥ ज ॥ य ॥ य ॥ वा ॥ च ॥ ला ॥ ॥ ॥ द्वि ॥ स
 क ॥ ल ॥ ल ॥ क ॥ च ॥ ला ॥ ल ॥ ॥ ॥ नि ॥ क ॥ र ॥ ध ॥ इ ॥ ॥ ॥ तीर्यद ॥ ॥ य ॥ ह ॥ ला ॥ क ॥ वि
 उ ॥ म ॥ नि ॥ प्र ॥ ज ॥ अ ॥ वा ॥ य ॥ ला ॥ ॥ द्वि ॥ स ॥ क ॥ ल ॥ ल ॥ क ॥ च ॥ ला ॥ ॥ अ ॥ ह ॥ ला ॥ क ॥ उ ॥ क
 य ॥ क ॥ ल ॥ उ ॥ क ॥ वि ॥ प्र ॥ म ॥ क ॥ वि ॥ वा ॥ वि ॥ प्र ॥ म ॥ ॥ ॥ ह ॥ य ॥ य ॥ न ॥ म ॥ उ ॥ म ॥ न ॥ उ ॥ क
 वा ॥ अ ॥ य ॥ द ॥ ख ॥ य ॥ म ॥ न ॥ द ॥ ग ॥ ह ॥ ला ॥ कि ॥ क ॥ हि ॥ वा ॥ च ॥ ला ॥ ॥ ॥ ग ॥ म ॥ न ॥ ॥ व ॥ ल ॥
 व ॥ ल ॥ ॥ वा ॥ ॥ सु ॥ द ॥ त्रि ॥ वि ॥ त्रि ॥ त्रि ॥ वि ॥ य ॥ सु ॥ न ॥ ह ॥ व ॥ च ॥ न ॥ क ॥ हि ॥ वा ॥ ॥ ॥ ॥ म ॥ र ॥ व ॥ नि
 त्र ॥ म ॥ ल ॥ द ॥ खि ॥ स ॥ न ॥ द ॥ म ॥ न ॥ म ॥ थ ॥ य ॥ या ॥ क ॥ ल ॥ क ॥ वि ॥ ला ॥ ॥ म ॥ न ॥ म ॥ न ॥ क
 वि ॥ क ॥ न ॥ क ॥ ॥ म ॥ न ॥ ह ॥ व ॥ म ॥ व ॥ नि ॥ य ॥ न ॥ कि ॥ न ॥ क ॥ हि ॥ ला ॥ ॥ म ॥ पू ॥ ॥ ॥ अ ॥ ह ॥ र ॥ व ॥
 य ॥ सा ॥ व ॥ ॥ न ॥ ॥ ॥ वा ॥ ॥ सु ॥ न ॥ खि ॥ म ॥ नि ॥ प्र ॥ ज ॥ यि ॥ सु ॥ क ॥ ला ॥ ॥ ॥ ॥ सु ॥ न ॥ य ॥ वि ॥ न ॥ य ॥ क ॥ वि
 वा ॥ स ॥ क ॥ ल ॥ ह ॥ व ॥ म ॥ न ॥ न ॥ द ॥ म ॥ न ॥ ॥

ननयनउमात्रलावकनाकहिवा ॥ ॥ शिथकहा ॥ हदामिनी
 कृष्णकविभ्रमकविवा ॥ विभ्रमम ॥ ॥ हलाकनथयभ्रासिया
 शैशा ॥ हसकललाकभ्रयनत्रगियात्रहिवा ॥ पल्लिर्वि ॥ लू ॥
 पत्रिई ॥ हलाककृष्णकविभ्रमकविवा ॥ ॥ हलाकनखनैरुग
 दम्बात्रसत्रलाकविवा ॥ ॥ शैत्रवी ॥ ॥ ॥ सुंरमथनिचद्वदनिच
 उचूउमाहिनीकैरुनयनिगिरवदभनिदनूजमानखलुनी ॥ रु
 यरुयनननिमृजालि ॥ ॥ ॥ नयतित्रलजिन्मस्रकहिलाहकिरा
 वमानस्रमात्रविरुहंगलदूकयविचत्रलसात्रस ॥ मयू११ ॥ ॥

हलाकागृहूत ॥ ॥ भ्रमक ॥ कालवषरुवात्रिपूर्वकलद४मस्यप
 पूर्वधवाहूदवांस्रखिनारुवनुसतर्ननचनुसच्च४पुत्रा ॥ ॥ वि
 खानात्रद्युर्वभरुषलमलिर्वीत्रावदान्यारुमात्रास्रमसुत्रु
 पन्दुत्रलजिद्विस्त्रास्रमात्रवनुह ॥ ॥ हलाका ॥ श्रीग्रीकयत्रे
 जिन्मलूदवानीसफादूत्रास्रवृद्धिप्रसु ॥ ॥ श्रानति ॥ पंचमत्रा ॥
 वृष्टवस्रपित्रस्रसात्रलादि ॥ मयू१४ ॥ ॥ लू ॥ ॥ **॥ निसफमा**
क४ ॥ ॥ श्रीरुनयनाथपीनयसु ॥ स०८४२वैभखवदि२मुह ॥

समंततः ४५ ~~जगन्मोक्ष~~ श्रुतं कुटुंबालासुया जहन्नाम यत्रा
श्रीधं वावा न्यस्मां न वासहि नाया दामकाय दवगु दाया था न
० धे वा







2.535















